उपलब्धि | महिलाओं के हाथों में तेजी से आ रही एमएसएमई उद्योगों की कमान, 14 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश अव्वल

यूपी में महिला उद्यमियों की संख्या में तेजी से हो रहा इजाफा

लखनऊ, विशेष संवाददाता। बदलते वक्त के साथ महिलाओं के हाथों में अब तेजी से एमएसएमई उद्योगों की कमान आ रही है। पश्चिम बंगाल से लेकर यूपी व महाराष्ट्र तक तमाम राज्यों में ऐसी महिला उद्यमियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। देश में सूक्ष्म, मध्यम व लघु उद्योगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसके साथ महिलाएं भी खुद का उद्योग लगा रही हैं। एमएसएमई इकाईयों की सबसे ज्यादा संख्या यूपी में है। यूपी पूरे देश में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ इस मामले में सभी राज्यों में अव्वल है। दूसरा स्थान पश्चिम बंगाल का, तीसरा स्थान तमिलनाडु का है। बिहार छठे स्थान पर है। एमएसएमई मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक पूरे देश में कुल 60,84,1245 एमएमएसमई में 12,39,0523 महिलाओं द्वारा संचालित हैं। इस तरह महिलाओं की हिस्सेदारी 20.37 प्रतिशत है। सूक्ष्म उद्योगों में 20.44 प्रतिशत महिलाएं चला रही हैं। लघु उद्योगों में महिला स्वामित्व का प्रतिशत 5.27 है। जबकि मध्यम उद्योग में यह हिस्सेदारी 2.67 है। पीएमईजीपी के तहत महिला उद्यमियों की संख्या साल 2018-19 में जहां 25,434 थी, वहीं यह साल 2023-24 में बढ़ कर 36,806 हो गई। इसमें मुद्रा योजना समेत कई योजनाएं महिलाओं को खुद का उद्योग लगाने में सहायक हो रही हैं। इससे उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही है।

देश में श्रेणीवार एमएसएमई इकाइयां

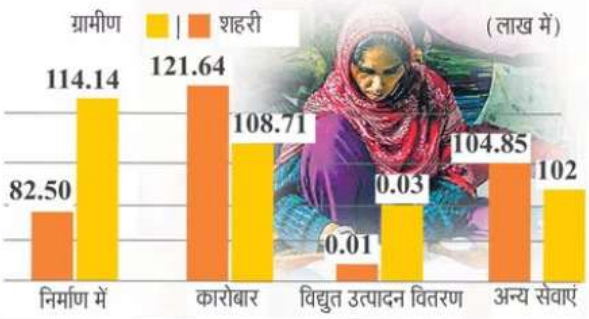

महिलाओं के स्वामित्व वाली राज्यवार एमएसएमई की ईकाई

राज्य	कुल एमएमएसएमई	महिला स्वामित्व वाली एमएसएमई	राज्य का प्रतिशत
पश्चिम बंगाल	8484462	2901324	23.42
तमिलनाडु	4726752	1285263	10.37
तेलंगाना	2432046	972424	7.85
कर्नाटक	3621374	936905	7.56
उत्तर प्रदेश	8873726	862796	6.96
आंध्र प्रदेश	2998351	838033	6.76
गुजरात	3202499	826640	6.67
महाराष्ट्र	4599535	801197	6.47